

कार्यालय अपर प्रमुख वन संरक्षक एवं नोडल अधिकारी, वन संरक्षण,  
इन्दिरानगर फॉरेस्ट कालोनी, उत्तराखण्ड, देहरादून।

Email- Nodalofficerddn@gmail.com

Phone/Fax-2767611

पत्रांक:- 2330 / FP/UK/ROAD/22108/2016 दिनांक:देहरादून 27 फरवरी, 2021

सेवा में,

अपर प्रमुख वन संरक्षक,  
भारत सरकार,  
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय,  
एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय,  
25-सुभाष रोड, देहरादून।

विषय:-जनपद चमोली के अन्तर्गत बगोली-जैटाकोटी-ग्वालखेत-पेंखौली मोटर मार्ग का बैनीताल तक विस्तारीकरण हेतु 3.606 हेतु वन भूमि का गैर वानिकी कार्यों हेतु लोक निर्माण विभाग को हस्तान्तरण।

सन्दर्भ:-भारत सरकार पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, क्षेत्रीय कार्यालय, देहरादून के EDS दिनांक 17-11-2020

महोदय,

विषयांकित प्रकरण पर भारत सरकार के उपरोक्त सन्दर्भित EDS दिनांक 17.11.2020 के सम्बन्ध में वन संरक्षक, गढ़वाल वृत्त, पौड़ी से प्राप्त आख्या के क्रम में प्रयोक्ता एजेन्सी से प्रेषित सूचना के द्वारा अवगत कराया गया है कि बगोली-कोटी मोटर मार्ग कि0मी0 11.00 तक पूर्व में निर्मित है इस मार्ग के कि0मी0 11 से आगे कि0मी0 6.00 बगोली-कोटी का विस्तारीकरण का कार्य प्रगति पर है शेष 4.00 कि0मी0 (वर्तमान प्रस्तावित मोटर मार्ग) पेंखौली से आगे जिसमें कोई भी राजस्व गांव नहीं होने के कारण विषयगत मोटर मार्ग प्रस्ताव के के0एम0एल0 फाईल में गांवों को चिह्नित नहीं किया गया है। प्रस्तावित मोटर मार्ग इसी बगोली कोटी का विस्तारीकरण मार्ग के आगे की ओर 4.00 कि0मी0 लम्बाई में निर्मित किया जाना है जो कि एक अन्य प्रस्तावित मोटर मार्ग बैनीताल से जंगलचट्टी का विस्तारीकरण के कि0मी0 4.00 में जुड़कर प्रसिद्ध स्थल बैनीताल तथा ग्रीष्मकालीन राजधानी भराड़ीसैण को आपस में जोड़ेगा। इस सम्बन्ध में मात्र विधायक कर्णप्रयाग द्वारा दूरभाष पर वन संरक्षक, गढ़वाल वृत्त, पौड़ी को अवगत कराया है कि यह प्रस्तावित मोटर मार्ग क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण है तथा उक्त विषयक प्रस्तावित मोटर मार्ग पेंखौली से आगे 4.00 कि0मी0 के वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव पर सैद्धान्तिक स्वीकृति प्रदान करने हेतु लिखा गया है।

अतः प्रकरण पर वन संरक्षण अधिनियम 1980 के अन्तर्गत स्वीकृति निर्गत करने का कष्ट करें।

भवदीय,

(डी0जे0के0 शम) 27/2/24

प्रमुख वन संरक्षक

कार्यालय-अपर प्रमुख वन संरक्षक एवं

नोडल अधिकारी, वन संरक्षण,

उत्तराखण्ड, देहरादून।